सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

भाग अ - परिचय				
कार्यक्रम: डिग्री		कक्षा : बी. ए.	वर्ष: प्रथम वर्ष	सत्र: 2025-26
विषय: कथक नृत्य				
1	पाठ्यक्रम का कोड			
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कथक नृत्य का इतिहास (प्रश्न पत्र - 2)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव / वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स (मेजर -2)		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए विद्यार्थी ने विषय का अध्ययन 12वीं कक्षा में किया हो (समस्त विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य)		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे:- • सैद्धांतिक स्तर पर विषय का ज्ञान अर्जित करना। • व्यवसायिक दृष्टि कोण से प्राथमिक स्तर पर प्रशिक्षण देने की क्षमता।		
6	क्रेडिट मान	सैद्धांतिक – 02		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35	

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P:

कुल व्याख्यान - 30 **(प्रति व्याख्यान 01 घंटा)**

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I.	कथक नृत्य : सामान्य परिचय • कथक नृत्य का इतिहास • कथक नृत्य का प्रस्तुतिक्रम • कथक नृत्य सीखने के लाभ– आध्यात्मिक, शारीरिक, बौद्धिक, मानसिक और व्यावसायिक • कथक नृत्य के प्रमुख वाद्य यंत्रों का सामान्य परिचय– • घुंघरू, तबला, पखावज, सारंगी और हारमोनियम **गतिविधि :– समूह चर्चा**	15
II.	पारिभाषिक शब्दों का अध्ययन • लय – विलम्बित, मध्य और द्रुत • ताल – ठेका, मात्रा, विभाग, सम, ताली, खाली, आवर्तन, अवग्रह, ठाह, दुगुन, तिगुन और चौगुन। **गतिविधि :– किसी एक ताल की पढ़त**	10
III.	• कथक नृत्य के 20 घरानेदार प्रतिष्ठित गुरुओं के नाम कथक गुरुओं का योगदान– • पं. बिन्दादीन महाराज – लखनऊ • पं. जयलाल महाराज – जयपुर • पं. सुखदेव महाराज – बनारस • पं. कार्तिकराम – रायगढ़ **गतिविधि :– निबंध लेखन**	5

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: इतिहास, वाद्य यंत्र, लय, ताल, गुरू

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:-

1. दाधिच पुरु कथक नृत्य शिक्षा भाग 1 एवं 2 – बिन्दु प्रकाशन, सराफा बाजार, उज्जैन
2. नागर विधि – कथक नर्तन भाग 1 एवं 2 बी.आ. रिदम पब्लिकेशन नई दिल्ली
3. माणिक भगवान दास कथक मध्यमा – शिव शक्ति पब्लिकेशन, ग्वालियर
4. माणिक भगवानदास – कथक के सन्दर्भ में नर्तन भेद – शिवशक्ति पब्लिकेशन – ग्वालियर
5. हरमलकर – सुचित्रा – कथक प्रवाह भाग – 1 – ग्रन्थालय पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, इन्दौर
6. गैरोला – वाचस्पति – भारतीय नाट्य परम्परा और अभिनय दर्पण – चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान जवाहर नगर, नई दिल्ली

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक –

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: **सतत व्यापक मूल्यांकन** (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	**30**
आकलन : **विश्वविद्यालयीन परीक्षा**: समय- 03.00 घंटे	**अनुभाग (अ): अति लघु उत्तरीय प्रश्न** **अनुभाग (ब): लघु उत्तरीय प्रश्न** **अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	**70**

कोई टिप्पणी/सुझाव:

प्रायोगिक प्रश्नपत्र

भाग अ - परिचय				
कार्यक्रम: डिग्री		कक्षा : बी. ए.	वर्ष: प्रथम वर्ष	सत्र: 2025-26
विषय: कथक नृत्य				
1	पाठ्यक्रम का कोड			
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	नृत्यांजलि		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स (मेजर -2)		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए विद्यार्थी ने विषय का अध्ययन 12वीं कक्षा में किया हो (समस्त विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य)		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विधार्थी निम्न में सक्षम होंगे :- • भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक का प्रायोगिक ज्ञान । • नृत्य प्रदर्शन संबंधी कौशल का विकास ।		
6	क्रेडिट मान	प्रायोगिक – 04		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35	

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P:

कुल व्याख्यान - 60 (प्रति व्याख्यान 02 घंटा)

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I.	नृत्य का प्रारम्भिक अभ्यास • तत्कार – ठाह, दुगुन, तिगुन और चौगुन • भ्रमरी – एक पैर, तीन पैर, पांच पैर हस्त संचालन :– पांच प्रकार के ऊर्ध्व, अधर, उत्तर, प्राची और दक्षिण	15
II.	तीन ताल थाठ का प्रारम्भिक अभ्यास कसक, मसक, कटाक्ष, आमद / उपोद्घात– 1, तोड़े– 5, परण– 1, चक्रदार/त्रिचक्री बोल–1, कवित्त–1, रायगढ़ घराने की कोई एक बोल बन्दिश	20
III.	झपताल • तत्कार – ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन • आमद /उपोदघात–1, तोडे–3 तिहाई – 1, परण –1, कवित्त	15
IV.	गत निकास – • सादी • मुरली • मटकी	10

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: प्रारंभिक अभ्यास, ताल, गत विकास

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:–

1. मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल द्वारा प्रकाशित पुस्तकें।
2. दाधीच गुरू कथक नृत्य शिक्षा भाग - 1 एवं 2, बिन्दु प्रकाशन, सराफा बाजार, उज्जैन
3. नागर विधि कथक नर्तन भाग 1 एवं 2, बी.आर. रिदम पब्लिकेशन ग्वालियर
4. माणिक भगवान दास, कथक मध्यमा शिव शक्ति पब्लिकेशन, ग्वालियर
5. माणिक भगवान दास, कथक के संदर्भ में नर्तन भेद - शिव शक्ति पब्लिकेशन, ग्वालियर
6. हरमलकर, सुचित्रा कथक प्रवाह भाग 1 ग्रंथपाल पब्लिकेशन एन्ड प्रिन्टर्स, इन्दौर

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक –

www.eshiksha.mp.gov.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

आतंरिक मूल्यांकन	अंक	बाह्य मूल्यांकन	अंक
कक्षा में संवाद / प्रश्नोत्तरी	30	प्रायोगिक मौखिकी (वायवा)	70
उपस्थिति		प्रायोगिक रिकार्ड फाइल	
असाइनमेंट (चार्ट/मॉडल/सेमिनार/ग्रामीण सेवा/प्रौद्योगिकी प्रसार/भ्रमण(कस्कर्शन) की रिपोर्ट/ सर्वेक्षण/प्रयोगशाला भ्रमण (लैब विजिट)/औद्योगिक यात्रा		टेबल वर्क / प्रयोग	
		कुल अंक : 100	

कोई टिप्पणी/सुझाव: